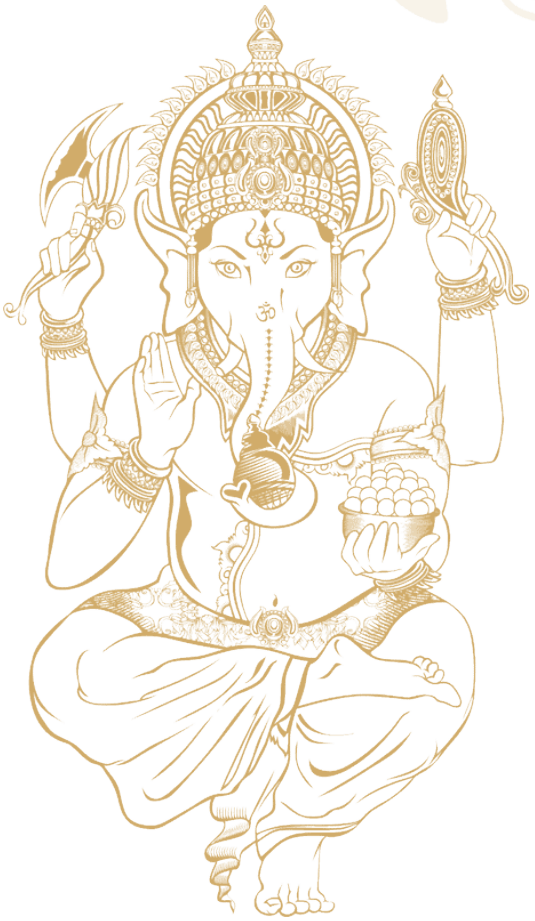

Mr.

15 Jan 2026

11:31 AM

Hathras

Model: web-freekundliweb

Order No: 120943202

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**15/01/2026**
दिन	गुरुवार
जन्म समय	**11:31:00 घंटे**
इष्ट	10:52:39 घटी
स्थान	**Hathras**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	27:36:00 उत्तर
रेखांश	78:02:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:13:08 घंटे
वेलान्तर	-00:09:20 घंटे
साम्पातिक काल	18:51:58 घंटे
सूर्योदय	07:09:56 घंटे
सूर्यास्त	17:44:52 घंटे
दिनमान	10:34:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	00:51:58 मकर
लग्न के अंश	23:55:15 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**ज्येष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	बुध
योग	वृद्धि
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	मृग
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	या-यतीन्द्र
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	23:55:15	494:44:18	रेवती	3	27	गुरु	बुध	मंगल	---
सूर्य			मक	00:51:58	01:01:08	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	राहु	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	20:52:09	11:56:45	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	नीच राशि
मंगल		अ	धनु	29:27:08	00:46:31	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	मित्र राशि
बुध		अ	धनु	26:48:53	01:37:21	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	सम राशि
गुरु	व		मिथु	25:13:39	00:08:01	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	02:54:40	01:15:27	उत्तराषाढ़ा	2	21	शनि	सूर्य	गुरु	मित्र राशि
शनि			मीन	02:55:31	00:04:44	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:46:03	00:08:30	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	शुक्र	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:46:03	00:08:30	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	सूर्य	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:24:27	00:01:01	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:30:57	00:01:12	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	08:56:20	00:01:54	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			धनु	17:43:46	--	पूर्वाषाढ़ा	--	20	गुरु	शुक्र	मंगल	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:21

लग्न-चलित

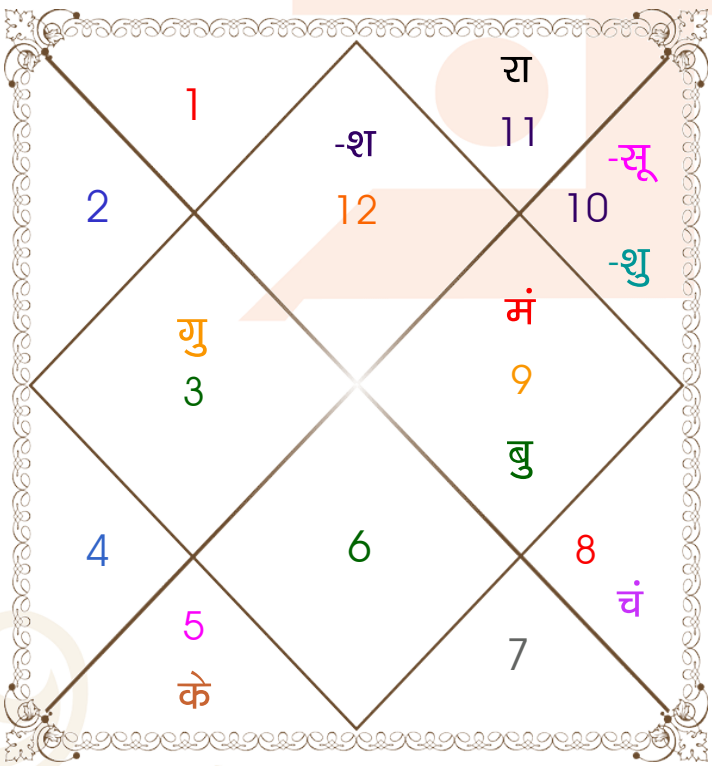

चन्द्र कुंडली

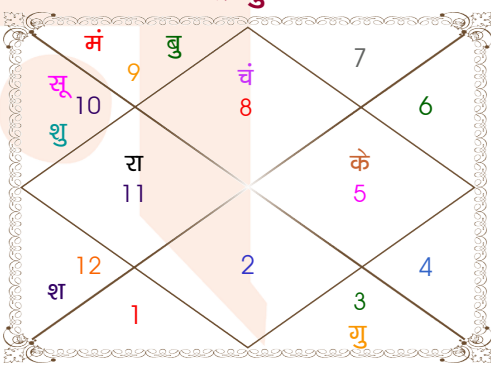

नवमांश कुंडली

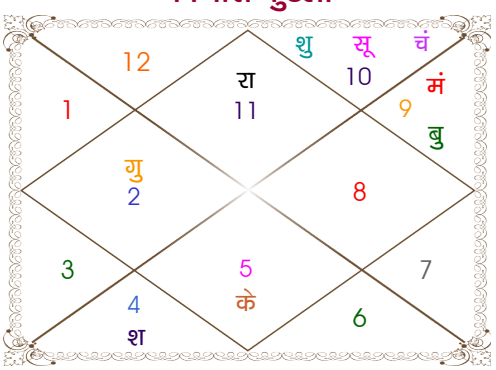

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 11 वर्ष 7 मास 21 दिन

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
15/01/2026		06/09/2037		06/09/2044		06/09/2064		06/09/2070	
06/09/2037		06/09/2044		06/09/2064		06/09/2070		06/09/2080	
	00/00/0000	केतु	02/02/2038	शुक्र	06/01/2048	सूर्य	24/12/2064	चंद्र	08/07/2071
	15/01/2026	शुक्र	04/04/2039	सूर्य	06/01/2049	चंद्र	25/06/2065	मंगल	06/02/2072
शुक्र	01/12/2026	सूर्य	10/08/2039	चंद्र	06/09/2050	मंगल	31/10/2065	राहु	07/08/2073
सूर्य	07/10/2027	चंद्र	10/03/2040	मंगल	07/11/2051	राहु	25/09/2066	गुरु	07/12/2074
चंद्र	08/03/2029	मंगल	06/08/2040	राहु	06/11/2054	गुरु	14/07/2067	शनि	07/07/2076
मंगल	05/03/2030	राहु	25/08/2041	गुरु	07/07/2057	शनि	25/06/2068	बुध	06/12/2077
राहु	21/09/2032	गुरु	01/08/2042	शनि	06/09/2060	बुध	01/05/2069	केतु	08/07/2078
गुरु	28/12/2034	शनि	10/09/2043	बुध	08/07/2063	केतु	06/09/2069	शुक्र	07/03/2080
शनि	06/09/2037	बुध	06/09/2044	केतु	06/09/2064	शुक्र	06/09/2070	सूर्य	06/09/2080

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
06/09/2080		07/09/2087		07/09/2105		07/09/2121		07/09/2140	
07/09/2087		07/09/2105		07/09/2121		07/09/2140		00/00/0000	
मंगल	02/02/2081	राहु	20/05/2090	गुरु	26/10/2107	शनि	10/09/2124	बुध	04/02/2143
राहु	21/02/2082	गुरु	12/10/2092	शनि	09/05/2110	बुध	21/05/2127	केतु	01/02/2144
गुरु	27/01/2083	शनि	19/08/2095	बुध	14/08/2112	केतु	29/06/2128	शुक्र	16/01/2146
शनि	07/03/2084	बुध	08/03/2098	केतु	20/07/2113	शुक्र	30/08/2131		00/00/0000
बुध	04/03/2085	केतु	26/03/2099	शुक्र	20/03/2116	सूर्य	10/08/2132		00/00/0000
केतु	01/08/2085	शुक्र	27/03/2102	सूर्य	07/01/2117	चंद्र	12/03/2134		00/00/0000
शुक्र	01/10/2086	सूर्य	19/02/2103	चंद्र	09/05/2118	मंगल	21/04/2135		00/00/0000
सूर्य	06/02/2087	चंद्र	20/08/2104	मंगल	15/04/2119	राहु	25/02/2138		00/00/0000
चंद्र	07/09/2087	मंगल	07/09/2105	राहु	07/09/2121	गुरु	07/09/2140		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 11 वर्ष 7 मा 14 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म रेवती नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। उस काल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं वृश्चिक राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आप द्विस्वभात्मक छवि के विद्वेष युक्त होते हुए भी धन एवं प्रसन्नता से युक्त आनंदप्रद जीवन व्यतीत करेंगे।

आप वास्तव में मीन राशीय द्विस्वभावत्मक प्रवृति के जातीय गुणों से युक्त हो। आप असंगतपूर्ण बातें सोचते हो। जिस प्रकार उदाहरण स्वरूप आप जब जन सामान्य व्यक्ति के साथ व्यवहार में बहादुरी एवं आक्रमणशील प्रवृति से उपस्थित होते हो, परंतु घर के मामले में बुद्धिहीनता से नहीं बल्कि बुद्धिमत्ता पूर्वक संकोची स्वभाव से पत्नी के समक्ष जाते हो क्योंकि यह संभव लगता है कि आप पत्नी के सेवक हो। इस प्रकार आप अपने व्यवसाय अथवा कार्य स्थल पर समय से पहुंच जाते हो। आप इस मामले में अत्यंत विश्वसनीय पात्र हैं। आप अपने अनुकूल विषयक बातों के लिए किसी के सामने झुकने वाले नहीं है।

आप व्यक्तिगत रूप से अपने अभिभावक एवं अन्य लोगो की दृष्टि में एक सक्षम कार्यकर्त्ता, आदरणीय, धार्मिक नेता, उदार एवं सहानुभूति करने वाले प्राणी हैं। ऐसा अनुभव करते है। आप अपने जीवन भर आनंदपूर्वक बिताएंगे एवं अत्यधिक धन संग्रह कर सकते हैं। आपका विचार यह रहता है कि किस प्रकार वासनात्मक जीवन व्यतीत किया जाए। आप संतुलित ढंग से समय पर अपनी समर्पित जीवन संगिनी के समक्ष प्रदर्शन करेंगे। परंतु आपका गुप्त रूप से प्रेम प्रसंग में अन्य के प्रति झुकाव हो। यदि आप नारी के प्रति विरोधात्मक रूख आपनाएंगे तो आपका घरेलू वातावरण दूषित हो सकता है। आप यदि अपनी लोलुपता को रोक दें तो आपके समक्ष किसी भी प्रकार की बाधा उत्पन्न नहीं होगी।

इस प्रकार आप अत्यंत व्यवहार कुशल प्रवृति के व्यक्ति हो तथा अपने जीवन में सफल होंगे। इसी प्रकार आप दिवा स्वप्न देखते रहें कि प्रत्येक बार सुख ही सुख प्राप्त हो तो वास्तविकता आप से लुप्त हो जाएगी। आपके लिए आवश्यक है कि नीची विचार धारा से भूमि पर अवतरित हो कर, अपने हस्ताक्षरित कार्य के संपादन हेतु कठिन श्रम एवं समर्पण की भावना से युक्त हो कर कार्य संपादन करें तो निश्चित रूप से आपके हित में लाभदायक प्रमाणित होगा।

आप इस प्रकार अन्य लोगों की प्रतिज्ञा एवं विशेषता पर आश्रित रहना छोड़ दे, क्योंकि प्रायः लोग किसी प्रकार की वचन बद्धता को मात्र कागजी समझते हैं। आपको अपने कार्य व्यवसाय के लिए बाहरी सहयोग के उपर आश्रित रहने के बजाय अपना कार्य अपने हाथों से संपादन करना चाहिए।

आप उच्चकोटि के धार्मिक व्यक्ति हैं। आप आदर्श स्वरूप अपने विचारों के अनुरूप यह चिंतन करें कि धर्म दर्शन को किस प्रकार ग्रहण किया जाए। वैसे मीन राशीय प्रवृति के व्यक्ति को बुनियादी तौर पर पराज्ञान एवं प्राचीन विस्तृत वस्तुओं का अन्वेषण कर यह शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए एवं आशावान बन कर अंत में पुर्नजन्म न हो। इसके लिए शिक्षा ग्रहण

करनी चाहिए। धार्मिक व्यक्ति सुगमता पूर्वक स्वतः अभ्यास कर सांसारिक सुखों के विषय में अच्छी प्रकार अपनी उपस्थिति अंकित कराते हैं।

प्रत्येक प्राणी कुछ रोगादि अथवा अन्य रोगादि के प्रति सशंकित रहते हैं अथवा रोग ग्रस्त होने से आशंकित रहते हैं। अतः आप भी वर्षों बाद स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से संबंधित हो सकते है तथा आप कर्ण रोग और आंत्र विकृति से प्रभावित हो सकते हैं। यदि आप रोग के आक्रमण के पूर्व ही सतर्कता बरतें एवं अपने चिकित्सक से विचार विमर्श करें तो आप अंत में कठिन रोग को कम कर सकते हैं। यदि आप ऐसा नहीं कर सके तो जैसा सब के साथ होता है वैसी शारीरिक समस्या आपके साथ भी उत्पन्न हो सकती है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार एवं गुरुवार का दिन उत्तम है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के अन्य बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार ये तीनों दिन आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अंकों में अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक सर्वथा अनुकूल एवं उत्तम भाग्यशाली है, परंतु अंक 8 सर्वथा प्रतिकूल है।

आप नीले रंग का व्यवहार कदापि नहीं करे। आपके लिए मात्र लाल, गुलाबी, नारंगी एवं हरा रंग अनुकूल उत्तम एवं मनभावन है।